

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 457] No. 457] नई विल्ली, गुक्रवार, अन्तूबर 11, 1985/आश्विन 19, 1907 NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 11, 1985/ASVINA 19, 1907

इस भाग में भिन्म पूष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नर्ष दिल्ली, 11 अस्तुबर, 1985

प्रधिस्चना

मं 314/85-से माण्लक

स० का० नि० 789(अ) :---केर्बाय मरकार, सीमा शुरूक अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रवस्त शिक्तणों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुरूक टैरिक अधिनियम, 1975(1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 84 के अस्तर्गत आने वाले सोचों और शह्यों की, जब उनका कृष्टिम प्लास्टिक का वस्तुमों के विनिर्माण के लिए भारत में आयात किया जाए,---

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिधिष्ट उन पर उद्धहणीय सीमाणुक्क के उतने भाग मे जो 25 प्रतिशत मूल्य की दर में संगणित रकम में अधिक हैं; श्रीर (आ) उक्त संमाणुल्क टैरिक भ्रधिनियम क. धारा 3 के श्रधान जग पर उद्धहर्णाय संपूर्ण भ्रातिरिक्त णुल्क से,

इस गर्त के अधंन रहते हुए छूट देते। है कि स.मागुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाता है कि उक्त सांचे या आइयों का ध्रायात कृतिम प्लास्टिक के, बस्तुओं के विनिर्माण के लिए किया गया है !

[फा॰सं॰ 355/204/85-सःमागुल्क-1]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th October, 1985

NOTIFICATION

No. 314|85-CUSTOMS

G.S.R. 789(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,

being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts moulds and dies, falling within Chapter 84 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of artificial plastic articles, from—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the condition that it is proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the said moulds or dies have been imported for the manufacture of artificial plastic articles.

[F. No. 355[204]85-Cus. I]

सं**०** 315/85-र्स माण्लक

मा०का०नि० 790(श्र):-- केन्द्रा.य सरकार, वित्त प्रधिनियम, 1985 (1985 का 32) के धारा 43 क. उपधारा (4) के साथ पटित सं.माभुत्क प्रधिनियम, 1962(1962 का 52) के धारा 25 के उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त पानित्यों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना धावश्यक है, भारत सरकार के जिल्ल मंखालय (राजस्व विभाग) का प्रधिमृचना में 158/85नामा प्रका, तार ख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित धीर संशोधन करनी है, अथीत:--

उन्त प्रधिसूचना कः प्रमुसूर्घः में, क्रम मं० 245 और अगसे संबंधित प्रविद्धि के पश्चाक् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि क्रमः वादित कः। जायेगः, प्रथित् :--

"246 न• 314/85-सामाश्लूक, तारं.च 11 प्रक्तूबर, 1985"।

[फा॰स॰ 355/204/85-स.माण्ल्क-1]

No. 315|85-CUSTOMS

G.S.R. 790(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so do to, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 158|85-Customs, dated the 24th May, 1985, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 245 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely:—

"246. No. 314|85-Customs, dated the 11th October, 1985".

[F. No. 355|204|85-Cus. 1]

सं १ ३ १ ६/ ८ ५-सं. मागुल्क

संग्रिकार्शन 791(अ) :-- केन्द्री य सरकार, सं मा-गुरुक अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदेश प्रक्तियों का प्रयोग करन हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना भावण्यक है, मिट्ट हुटाने की मर्गानों के लिये विश्वत पारंपण प्रणाल के विनिर्माण के लिये अपेक्षित संबद्धों को, जब उनका भारत में यायान किया जाये, संमा-गुरुक टेरिफ अधिनियम, 1975 (1975 को 51) की पहले अनुसूच में यथाविनिद्धित उन पर उद्ग्रहण य संगण्यक के उराने भाग में, जितना मूल्य के 10 प्रतिणत के दर पर संगणित रकम में अधिक हैं, निस्नलिखित शनों के अधिन सूट देता है, अयोन --

- (1) इस प्रधिसूचना से स्पतिष्ट स्ट केवल उन संघटकों को लागू होगों जो उद्योग महालय के तकत का विकास महानिदेशक के प्रौद्योगिक सलाहकार या प्रपर प्रौद्योगिक सलाहकार का रैके में प्रन्यून प्रधिकार, श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास (विभाग) के निदेशक से श्रन्थून रैके के एक अधिकार, दोनों द्वारा, भिट्टा हटाने का मधानों के लिये विद्युत पारेषण प्रणाल के विनिर्माण के लिये श्रेपेकि व के रूप में प्रमाणित संघटकों का मूचा में सम्मिलत हैं;
- (2) आं ातकर्ता, उद्योग मंत्रालय के तकत. क. विकास, महानिदेशांलय के श्रीचोगिक सलाहकार या अपर श्रीचोगिक सलाहकार क. रेंक से अन्यून प्रधिकार। श्रीर भारत सरकार के उद्योग संत्रालय (श्रीचोगिक विकास विभाग) के निदेशक ये प्रन्यून रेंक के एक प्रधिकार, दोनों द्वारा जार। किया गया इस श्राण य का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि उक्त संघटक ऐसे श्रायातकर्ता द्वारा उद्योग मंत्रालय द्वारा निद्द। हटाने के संगं भी के लिये विधुत् पारंवण प्रणाल। के विनिर्भाण के लिये सायक् रूप से श्रनुमोदिन कार्यक्षम के श्रधन श्रायात किये जा रहे है; श्रीर
- (3) श्रायानकर्ना, उस श्रवधि के भातर जो समाणुल्क सहायक कलक्टर बारा इस निमित्त विनिद्धिट क जाये, सकन का विकास महानिद्देणाल य के श्रीक्षोगिक सलाहकार या ग्रपर श्रीक्षोगिक सलाहकार का रिक से श्रव्मन श्रीक्षारा धौर भारत सरकार के उद्योग मंत्राल य (श्रीक्षोगिक विकास विभाग) के निदेणक से श्रव्यून रैंक के एक श्रीक्षारा, दोनो द्वारा विद्या गया इस श्राण य का प्रभाणपत्र प्रस्तुन करंगा कि उक्त संघटकों का उपयोग उक्त श्रनुमोदित कार्यक्रम के श्रधम मिट्टा हटाने का मधानों के लिय विद्युत् पारेषण प्रणाल, के विनामण में किया गया है।

2 यह अधिसूचना 31 श्रवतूबर, 1986 तक, जिसमे यह दिम भा सम्मिलित है, प्रवृत रहेग ।

[फां०सं० 355/276/84-सीय्एस-1]

No. 316 85-CUSTOMS

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery, when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount

THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

calculated at the rate of 40 per cent ad valorem, subject to the following conditions, namely:-----

The state of the s

- (1) the exemption contained in this notilication shall be applicable only to those components which are covered by the lists thereof, certified both by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and by an officer not below the rank of a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to be required for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery;
- (2) the importer produces a certificate issued both by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and by an officer not below the rank of a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to the effect that the said components are being imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery; and
- (3) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf, produce a certificate issued both by an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the said Directorate General of Technical Development and by an officer not below the rank a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to the effect that the said components have been used in the manufacture of the power transmission system for earth-moving machinery under the said approved programme.
- 2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of October, 1986.

[F. No. 355 276 84-Cus. I]

मं० 317/85-र्सः मा-णुल्क

सांब्कावित 792(म) — केटी य सरकार, बिन प्रधिनियस, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 की उपधारा (4) के साथ पठित, सीसा-गुरुक प्रधिनियस, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनायों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना भ्रावश्यक है, भारत सकार के, बिन मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिमुचना संव 163/85-सीमा-गुल्क तारीख , 24 मई, 1985 में निम्नलियन संगोधन करती है, भ्रथीत :--

अस्त अधिसूचना की अनुसूची में, त्रम सं० 41 और उसमें संबंधित

प्रविध्यि के पश्चात, निम्नितिखित अस स० ग्रीर प्रविध्य भतःस्थापत का जानेका, श्रयोतः---

°42 सर्व 316/85-सीमा-शृहक, सार्रेख 11 भवनूबर, 1985''।

[फा॰स॰ 355/276/84-स/गूल्स-1]

No. 317|85-CUSTOMS

G.S.R. 792(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 163-85 Customs, dated the 24th May, 1985, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 41 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely:—

"42. No. 316 85-Customs, dated the 11th October, 1985".

[F. No. 355[204]85-Cus. I]

सं० 318/85-स_ंमा-मृत्क

साक्काविक 793(म्र) :-- केन्द्राय सरकार, बित्त म्राधिनयम, 1985 (1985 का 32) का घारा 43 का उपधारा (4) के साथ पठित सीमाण्टक, म्राधिनयम, 1962(1962 का 52) का घारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सिन्तर्गों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना म्रावण्यक है, भारत सरकार के विस मंत्रालय (राजम्ब विमाग) का म्राधिस्वना मं 168/85-म.माणुटक, नाराख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित और संगोधन करता है, म्राबान्:-

उपत श्रक्षिसूचना को सारणों में क्रम संव 1 और उससे संबंधित श्रविष्टियों का लोग किया जाएगा ।

> [फा०सं० 355/232/85र्स माणुरक 11] एम०एन० विश्वास, भ्रवर मचिव

No. 318 85-CUSTOMS

G.S.R. 793(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 168|85-Customs, dated the 24th May, 1985, namely:—

In the Table annexed to the said notification, Sl. No. 41 and the entry relating thereto, shall be omitted.

> [F. No. 355|232|85-Cus-1] M. N. BISWAS, Under Secy.